आदि कैलाश, ओम पर्वत, पाताल भुवनेश्वर, नीम करौली मंदिर, जागेश्वर धाम यात्रा

यात्रा समयः 07 दिन

यात्रा प्रस्थानः 15 मई 2026

॥ श्री शिव शंकर तीर्थ यात्रा ॥
1967 से आपकी सेवा मे तत्पर
ऋषिकेश

दिन	दर्शनीय स्थल
पहला दिन	**नई दिल्ली** रेलवे स्टेशन से छोटी गाड़ी द्वारा हल्द्वानी के लिए प्रस्थान। (रात्रि विश्राम हल्द्वानी में)
दूसरा दिन	**पिथौरागढ़** सुबह नाश्ते के बाद हल्द्वानी से प्राकृतिक दृश्यों नीम करौली बाबा आश्रम (कैंची धाम) चितई गोलू देवता मंदिर दर्शन कराते हुए पिथौरागढ़ के लिए प्रस्थान। (रात्रि विश्राम पिथौरागढ़ में)
तीसरा दिन	**नाबी गाँव** पिथौरागढ़ से नाबी गाँव (आदि कैलाश बेस कैंप), ऊँचे पहाड़ों, घाटियों और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर सफर। (रात्रि नाबी गावं)
चौथा दिन	**आदि कैलाश** के दिव्य दर्शन, गौरी कुंड एवं पार्वती कुंड के दर्शन, भीम खेत का दर्शन (भीम की गदा और पदचिन्ह माने जाते हैं) (रात्रि नाबी गांव में)
पांचवां दिन	**ओम पर्वत** कालापानी में शिवधारा और हिम दर्शन, शेषनाग पर्वत के दर्शन, पार्वती नाभि और अद्भुत ऊँ के आकार युक्त ओम पर्वत के दिव्य दर्शन (रात्रि विश्राम धारचूला)
छठवां दिन	**हल्द्वानी** धारचूला से मार्ग में प्राचीन जागेश्वर धाम (12 ज्योतिर्लिंगों में एक माने जाने वाला मंदिर) के दर्शन कराते हुए वापसी। (रात्रि हल्द्वानी)
सातवां दिन	**नई दिल्ली** हल्द्वानी से सुबह नाश्ते के बाद नई दिल्ली रेलवे स्टेशन की ओर प्रस्थान व मधुर स्मृतियों के साथ यात्रा का समापन।

यात्रा किराया:- भोजन, चाय, नाश्ता, डबल बैड होटल रूम/गेस्ट हाउस, दिल्ली से पिथौरागढ़ व धारचूला से दिल्ली टेंपो ट्रैवलर पिथौरागढ़ से धारचूला 4x4 SUV (Scorpio) सहित किराया ₹**39,000/-** प्रति यात्री होगा। अग्रिम बुकिंग हेतु ₹**5,001/-** प्रति यात्री 'श्री शिव शंकर तीर्थ यात्रा' ऋषिकेश के S.B.I. बैंक खाते में या हमारी किसी भी अधिकृत बुकिंग एजेन्सी पर जमा करवा दें। शेष धनराशि प्रथम दिन दिल्ली पहुँचने पर संस्था द्वारा ली जायेगी। ऑक्सीजन सिलेंडर, प्राथमिक उपचार किट, दस्तावेज़- आधार कार्ड (फोटोकॉपी), पासपोर्ट साइज फोटो, स्वास्थ्य संबंधी सुझाव- ब्लड प्रेशर, दमा (Asthma) व हृदय रोग से पीड़ित यात्री यह यात्रा न करें। कृपया बस यात्रा के नियम पेज नं. 18 को ध्यान पूर्वक पढ़ कर ही सीट बुक कराये।

बस व रेल रिजर्वेशन द्वारा यात्रा की नियम व सुविधाऐं।

1. यात्रियों के लिए यात्रा में सुबह चाय, नाश्ता, दोपहर व रात्रि भोजन में दाल, एक सब्जी, चावल, रोटी रहेगी। शाम को चाय होगी। दाल-चावल व रोटी में देशी घी का प्रयोग होगा। सब्जी व नाश्ते में रिफाइंड का प्रयोग होगा। चावल बासमती बनेगा। समयानुसार यात्रियों को पापड़ व अचार भी भोजन के साथ दिया जायेगा। प्याज-लहसुन का प्रयोग पूर्णतः वर्जित होगा। भोजन शुद्ध शाकाहारी सात्विक बनाया जायेगा। यात्रा के दौरान तवा चपाती बनायी जायेगी व समय की उपलब्धता के अनुसार पूड़ी, पराठें व खिचड़ी भी बनायी जायेगी तथा यात्रा में समय अनुसार लंच पैकेट भी दिया जाएगा। रेल द्वारा लम्बी दूरी की यात्रा के दौरान भोजन की व्यवस्था I.R.C.T.C के अधिकृत भोजनालय से की जायेगी। दोपहर एवं रात्रि भोजन के साथ एक-एक पानी की बोतल दी जायेगी।
2. हमारी यात्रा में केवल सामान्य दवाई की ही व्यवस्था होगी। जो यात्री नियमित रूप से दवाई लेते हैं वे यात्री यात्रा प्रोग्राम के दिनो के अनुसार कृपया अपनी दवाईयां साथ में लावे। जरुरत पड़ने पर यात्री अपने खर्चे पर अस्पताल/डाक्टर की व्यवस्था अपनी सुविधानुसार कर सकते हैं। प्रत्येक यात्री टाईम टेबल के अनुसार चलने को बाध्य होंगे, यदि किसी कारणवश कोई ग्रुप से अलग होता है तो अगले स्टेशन/गन्तव्य पर यात्री अपने खर्चे पर पहुचेगें। सभी बसे दर्शनीय स्थलो की पार्किंग तक जाएगी वहा से मंदिरों की दूरी नगण्य है इसलिए यात्री स्वयं के खर्च से पैदल अथवा रिक्शे से वहाँ जा सकते हैं। इस प्रकार यात्रियों को पैदल कम चलना पड़ेगा। A/C बस यात्रा में A/C सुविधा केवल चलती बस में रहेगी पार्किंग में खड़ी बस में यह सुविधा नहीं होगी। संक्रमक रोगी, मादक पदार्थों का सेवन करने वाले वा झगडालू यात्री को यात्रा से पृथक करने का पूर्ण अधिकार मैनेजर का होगा।
3. रात्रि विश्राम के लिए होटल का प्रबन्ध यात्रियों के लिए डबल बैड रूम में किया जाएगा लेकिन अगर कोई अलग से सिंगल बेड रूम लेने चाहे तो ऐसे में यात्री ₹6000 प्रति रूम अतिरिक्त भुगतान करके ले सकते है।
4. यात्री अपने साथ असली पहचान पत्र (आधारकार्ड और वोटर आई.डी.) और 1 पासपोर्ट साईज फोटो अवश्य साथ लावे। यात्रा बुक होने के बाद यात्री अपनी सीट कैंसिल करवाता है तो अग्रिम धनराशि वापिस नहीं की जायेगी। दर्शनीय स्थलों का प्रवेश शुल्क यात्रियों द्वारा वहन किया जायेगा।

यात्रियों को निम्नलिखित नियमों का पालन करना अनिवार्य है।

- यात्रा काल के दौरान आर्थिक, शारीरिक क्षति एवं सामान की जिम्मेदारी यात्री की स्वयं की होगी। व्यवस्थापक यात्रियों के नुकसान का जिम्मेदार नहीं होगा।
- संस्था द्वारा बनाई गई रेल टिकट में सीट रेलवे तय करता है। कृपया आवंटित सीट पर यात्रा का आनंद लें। बस में सीट लॉटरी के माध्यम से आवंटित की जायेगी।
- यदि कोई यात्री किन्हीं कारणवश अथवा अस्वस्थ होने की वजह से अपनी यात्रा अधूरी छोड़कर घर वापिस आना चाहेगा तो उस अवस्था में यात्री को व्यवस्थापक की तरफ से केवल घर तक पहुंचाने हेतु रेलवे का स्लीपर क्लास का टिकिट ही दिया जायेगा। यह व्यवस्था भी केवल यात्रा समाप्ति के 5 दिन पूर्व तक लागू होगी। किराया वापसी किसी भी अवस्था में देय नहीं होगा।
- यात्रा में रेल लेट होने / बस खराब होने/ मौसम खराब होने/साप्ताहिक अवकाश/ बन्द/ रैली आदि के कारण सें किसी स्थान पर दर्शन ना होने पर व्यवस्थापक द्वारा कार्यक्रम में जो भी बदलाव किया जायेगा, यात्रियों से निवेदन है कि परिस्थितियों को समझते हुए उसमें अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करें।
- यात्रा काल में मैनेजर यात्रियों को अधिक से अधिक सुविधा देने की कोशिश करेंगे परन्तु फिर भी यात्रा के दौरान थोड़ी असुविधा होना स्वाभाविक है। उस समय 'परदेश नरेश कलेशन' की कहावत के अनुसार तपस्या की भावना से उसे सहन करें व मैनेजर को पूर्ण सहयोग प्रदान करें।